



॥ श्री दुर्गा पूजन पद्धति ॥
माँ दुर्गा , भय, भ्रम, नकारात्मकता
और बाधाएँ दूर करती है

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री दुर्गा पूजन पद्धति ॥

॥ 1. तैयारी ॥

स्थान स्वच्छ करें।
लाल या पीला वस्त्र बिछाएँ।
माँ दुर्गा की मूर्ति / चित्र स्थापित करें।

पूजा सामग्री:

दीपक, अगरबत्ती, कपूर, फूल, रोली, कुमकुम
चावल, फल, मिठाई, जल, कलश, नारियल, लाल चुनरी

॥ 2. आचमन ॥

=====

ॐ केशवाय नमः , ॐ नारायणाय नमः , ॐ माधवाय नमः

॥ 3. गणेश स्मरण ॥

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

॥ 4. संकल्प ॥

आज के दिन मैं श्रद्धा से माँ दुर्गा पूजन करता/करती हूँ।
मेरा परिवार सुखी रहे, रक्षा हो, शांति हो।

॥ 5. कलश स्थापना ॥

कलश में जल भरें।
आम पत्ते रखें।
ऊपर नारियल रखें।
मन्त्रः
ॐ कलशाय नमः ॥

॥ 6. देवी आवाहन ॥

ॐ दुं दुर्गायै नमः ।
आवाहयामि स्थापयामि पूजयामि ॥

॥ 7. आसन, पाद्य, अर्घ्य ॥

आसनं समर्पयामि ।
पाद्यं समर्पयामि ।
अर्घ्यं समर्पयामि ।

॥ 8. स्नान ॥

गंगाजल या शुद्ध जल अर्पित करें।
ॐ स्नानं समर्पयामि ॥

॥ 9. वस्त्र / श्रृंगार ॥

चुनरी अर्पित करें।
ॐ वस्त्रं समर्पयामि ।
ॐ अलंकारं समर्पयामि ॥

॥ 10. गंध / अक्षत / पुष्प ॥

ॐ गन्धं समर्पयामि ।
ॐ अक्षतान् समर्पयामि ।
ॐ पुष्पाणि समर्पयामि ।

॥ 11. धूप ॥

ॐ धूपं आघ्रापयामि ॥

॥ 12. दीप ॥

ॐ दीपं दर्शयामि ॥

॥ 13. नैवेद्य ॥

फल, मिठाई, खीर आदि अर्पित करें।
ॐ नैवेद्यं निवेदयामि ॥

॥ 14. मन्त्र जप ॥

ॐ दुं दुर्गायै नमः ॥ (108 बार)
या
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे ॥

॥ 15. स्तोत्र पाठ ॥

माँ दुर्गा आरती
माँ दुर्गा चालीसा
दुर्गा सप्तशती(इच्छानुसार)

॥ 16. आरती ॥

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी...

॥ 17. प्रदक्षिणा ॥

3 या 7 बार करें।

॥ 18. क्षमा प्रार्थना ॥

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।
पूजां चैव न जानामि क्षम्यतां परमेश्वरि ॥

॥ 19. विसर्जन ॥

ॐ दुर्गे देवि क्षमस्व ।
स्वस्थानं गच्छ गच्छ ॥

॥ 20. प्रसाद ॥

प्रसाद सभी को दें।

॥ फल ॥

रक्षा, शांति, साहस, समृद्धि, देवी कृपा
॥ इति श्री दुर्गा पूजन पद्धति सम्पूर्णम् ॥

॥ जय माता दी ॥